# भारत – गिनिया बिसाऊ संबंध

**राजनीतिक संबंध :**

दशकों से भारत और गिनिया बिसाऊ के बीच संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण हैं। गिनिया बिसाऊ सरकार आमतौर पर भारत का समर्थक रही है। अंतर्राष्ट्रीय मंचों जैसे कि संयुक्त राष्ट्र एवं गुट निरपेक्ष आंदोलन में नियमित रूप से सहयोग होता है। गिनिया बिसाऊ की सरकार तथा आम जनता दोनों में भारत के लिए काफी सद्भाव है। मई, 2010 में गिनिया बिसाऊ में भारत का एक मानद कांसुलेट खोला गया।

**वाणिज्यिक संबंध / द्विपक्षीय व्यापार :**

***(मूल्य मिलियन अमरीकी डालर में)***

| वर्ष | भारत का निर्यात | भारत का आयात | कुल व्यापार | वृद्धि (प्रतिशत में) |
|---|---|---|---|---|
| 2011-2012 | 12.42 | 235.64 | 248.05 | 296.77 |
| 2012-2013 | 10.88 | 140.20 | 151.09 | -39.09 |
| 2013-2014 | 19.02 | 109.68 | 128.69 | -14.82 |
| 2014-2015 | 9.76 | 158.38 | 168.14 | 30.66 |
| 2015-16 (अप्रैल - सितंबर) | 5.90 | 131.51 | 139.41 | - |

*स्रोत :* आयात - निर्यात डाटाबेस, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार

निर्यात से होनी वाली इसकी आय में काजू का अनुपात 90 प्रतिशत से अधिक है। उल्लेखनीय है कि प्रसंस्करण के लिए लगभग संपूर्ण काजू की फसल (लगभग 98 प्रतिशत) भारत को निर्यात की जाती है।

**आईटीईसी तथा अन्य प्रशिक्षण एवं सहायता कार्यक्रम :**

वित्त वर्ष 2015-16 के लिए भारतीय तकनीकी एवं भारतीय सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम तहत भारत में प्रशिक्षण के लिए गिनिया बिसाऊ को 25 स्लाट आवंटित किए गए हैं, जबकि वर्ष 2016-17 के लिए आई सी सी आर के तहत 5 छात्रवृत्तियां प्रदान की गई हैं।

भारत - ब्राजील - दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) वार्ता मंच की ''गरीबी उन्मूलन वित्त पोषण सुविधा'' के तहत गिनिया बिसाऊ की सहायता के लिए वर्ष 2006 के पूर्वार्ध में भारत से चावल की खेती से जुड़े एक विशेषज्ञ ने गिनिया बिसाऊ का दौरा किया। भारत से एक विशेषज्ञ ने सौर ऊर्जा परियोजना में मदद करने के लिए भी गिनिया बिसाऊ का दौरा किया। गिनिया बिसाऊ टीम-9 पहल का संस्थापक सदस्य है। इस रूपरेखा के तहत भारत सरकार ने गीनिया बिसाऊ के लिए 25 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता अर्थात 25 मिलियन अमरीकी डालर में से 5 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता खाद्य प्रसंस्करण एवं कृषि क्षेत्र के लिए तथा 20 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता ग्रामीण विद्युतीकरण परियोजनाओं के लिए निर्धारित की है। फरवरी, 2009 में, भारत - ब्राजील - दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) न्यास निधि बोर्ड द्वारा दो परियोजनाओं (संयुक्त) अर्थात गिनिया बिसाऊ में नवीकरणीय ऊर्जा एवं कृषि क्षमता निर्माण के लिए लगभग 8,30,000 अमरीकी डालर की राशि अनुमोदित की गई। गिनिया बिसाऊ का भारत में कोई राजनयिक मिशन नहीं है।

**भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक-III :**

प्रधानमंत्री के विशेष दूत (एस ई पी एम) और खान एवं इस्पात राज्य मंत्री श्री विष्णु देव साई ने सितंबर 2015 में भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक III (आई ए एफ एस III) में भाग लेने के लिए गीनिया बिसाऊ के राष्ट्रपति श्री जोस मैरी वाज को निजी तौर पर आमंत्रित करने के लिए गीनिया बिसाऊ का दौरा किया। राष्ट्रपति वाज ने निमंत्रण को

स्वीकार कर लिया तथा विदेश मंत्री श्री आर्टर अंटोनियो डा सिल्वा सहित अपने शिष्टमंडल के साथ 26 से 29 अक्टूबर 2015 के दौरान आई एफ एस 3 में भाग लिया।

**एन आर आई की आबादी :**

गिनिया बिसाऊ में तकरीबन 100 भारतीय हैं। तथापि, काजू की खेती के मौसम में हर साल 40-50 भारतीय कुछ सप्ताह के लिए मोल-भाव करने, खरीदने तथा भारत में कच्चे काजू का कंसाइनमेंट नौप्रेषित करने के लिए गिनिया बिसाऊ जाते हैं।

*जनवरी, 2016*